कार्रवाई

ठेकेदार पर होगी एफआईआर ; एसडीएम बोले– अंधाधुंध वृक्ष कटाई पर चलेगा सख्त अभियान

ग्राम पंचायत की बिना अनुमति के काट दिए आम के पेड़

नवभारत, परसवाड़ा। परसवाड़ा अनुभाग के ग्राम मझगांव में बिना वैधानिक अनुमति सात फलदार आम के पेड़ों की कटाई का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सूचना मिलते ही परसवाड़ा एसडीएम श्रीश प्याशी राजस्व अमले के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे मामले का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सात आम के वृक्षों के ठूंठ पाए गए, जिसके बाद मौका पंचनामा तैयार कर जप्ती एवं सुपुर्दगी की कार्रवाई की गई। मामले को गंभीर मानते हुए एसडीएम ने बिना अनुमति पेड़ काटने वाले लकड़ी ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

राजस्व अभिलेखों के अनुसार ग्राम मझगांव, पटवारी हल्का क्रमांक-27, राजस्व निरीक्षक मंडल मझगांव अंतर्गत खसरा क्रमांक 70/4, रकबा 0.405 हेक्टेयर भूमि पर सात फलदार आम के वृक्ष दर्ज थे। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि सभी सात वृक्ष काट दिए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वृक्षों की कटाई के लिए सक्षम प्राधिकारी से कोई वैधानिक अनुमति प्राप्त नहीं की गई थी। संबंधित पक्ष ने ग्राम पंचायत में अनुमति के लिए आवेदन देने की बात कही, लेकिन मौके पर अनुमति संबंधी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

97 से 134 सेंटीमीटर तक मिले ठूंठ, लकड़ी मौके से गायब

मौका पंचनामा में सातों कटे हुए वृक्षों के ठूंठों का मापन किया गया। इनके व्यास क्रमशः 97, 76, 79, 112, 134, 70 और 79 सेंटीमीटर दर्ज किए गए। पंचनामा में यह भी उल्लेख किया गया कि कटे हुए वृक्षों की लकड़ी मौके पर उपलब्ध नहीं मिली, जिससे स्पष्ट है कि कटाई के बाद लकड़ी को वहां से हटा दिया गया था।

प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान कटे हुए सात आम के वृक्षों की सुपुर्दगी ग्राम पटेल तीरथ चौधरी को दी गई। सुपुर्दगीनामा के अनुसार यह कार्रवाई 3 जुलाई 2026 को दोपहर 2:30 बजे ग्राम मझगांव में की गई। वहीं जप्तीनामा में धीरजलाल पिता पिच्चासाव हिर्वाने, निवासी ग्राम महागांव, का नाम दर्ज है। जप्ती की कार्रवाई भी 3 जुलाई को दोपहर 2:30 बजे पूरी की गई।

अवैध वृक्ष कटाई पर चलेगा विशेष अभियान

एसडीएम के निर्देश के बाद प्रशासन ने पूरे परसवाड़ा क्षेत्र में अवैध वृक्ष कटाई पर निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया है। राजस्व एवं संबंधित विभागों को ऐसे मामलों में संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। बिना अनुमति फलदार या अन्य वृक्षों की कटाई करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के साथ राजस्व एवं अन्य प्रासंगिक कानूनों के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। परसवाड़ा क्षेत्र में पिछले कुछ समय से फलदार और अन्य उपयोगी वृक्षों की अवैध कटाई की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण इन वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से हरित आवरण तेजी से प्रभावित हो रहा है। प्रशासन का मानना है कि इस तरह की कार्रवाई से न केवल अवैध वृक्ष कटाई पर प्रभावी अंकुश लगेगा, बल्कि भविष्य में नियमों की अनदेखी करने वालों के लिए भी यह कड़ा संदेश साबित होगी।

छात्रों के प्रवेश को अभियान के रूप में चलाएं : सिंह

डिंडोरी, नवभारत 4 जुलाई। शुक्रवार को संभागायुक्त धनंजय सिंह ने डिंडौरी जिले के अनुसूचित जनजाति बाहुल्य विकासखण्ड बजाग में सघन भ्रमण कर शासन की विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों का जायजा लिया।

भ्रमण के दौरान हाईस्कूल सरवाही और आयुष्मान आरोग्य मंदिर हर्रा टोला का निरीक्षण किया। सरवाही में उन्होंने विद्यार्थियों से उनके शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी लेकर शैक्षणिक गुणवत्ता का आकलन किया तथा विद्यार्थियों से कहा कि वे नियमित पठन पाठन करें। हर्रा टोला में आयुष्मान आरोग्य मंदिर में दवाईयों की उपलब्धता व एवं वितरण पंजी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली।

खाद वितरण व्यवस्था का लिया जायजा - इसके अलावा हर्रा टोला में ही सहकारी संस्था का निरीक्षण कर खाद वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। संभागायुक्त सिंह ने मझियाखार में कृषक जीतेन्द्र साहू द्वारा की जा रही जैविक उद्यानिकी मॉडल का अवलोकन किया। उन्होंने किसानों से संवाद कर उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेकर उद्यानिकी को उन्नत रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य करने का आग्रह किया। संभागायुक्त श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत चांडा के वन्या रेडियो सेन्टर का अवलोकन भी किया।

गर्भवती महिलाओं का पंजीयन सुनिश्चित करें

संभागायुक्त सिंह ने डिंडौरी प्रवास के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरवाही में स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि गर्भवती महिलाओं की शत प्रतिशत एएनसी पंजीयन सुनिश्चित करें, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, टीकाकरण, पोषण पुर्नवास पर विशेष ध्यान दें। इस दौरान एएनसी पंजीयन व टीकाकरण में कम प्रगति लाने वाले अधिकारियों से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य को दिए।

30 वर्षों की सेवा के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुषमा मिश्रा हुईं सेवानिवृत्त

नवभारत,पनागर। प्रताप वार्ड की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुषमा मिश्रा 30 वर्षों की सराहनीय सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गईं। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में उनके लंबे कार्यकाल और बच्चों एवं मातृ-शिशु कल्याण के क्षेत्र में दिए गए योगदान की प्रशंसा की गई।

कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी, प्रताप वार्ड की पार्षद प्रियंका शर्मा तथा वार्ड के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने सुषमा मिश्रा को शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि सुषमा मिश्रा ने अपने 30 वर्षों के कार्यकाल में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ आंगनवाड़ी सेवाएं प्रदान कर समाज में एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सूरतलाई स्कूल में पर्यावरण संरक्षण विषय पर हुई प्रतियोगिता

नवभारत,बेलखाडू। शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला सूरतलाई में आज शनिवार को बालसभा का आयोजन किया गया जिसमें पर्यावरण संरक्षण विषय पर प्रतियोगिता प्रधानाध्यापक राजेश कुमार चौधरी के मार्गदर्शन में की गई। जिसमें शाला का समस्त स्टाफ उपस्थित था। गायत्री शक्तिपीठ जबलपुर से मनोज कुमार विश्वकर्मा ने प्रतियोगिता में बिशेष सहयोग प्रदान कर प्रतियोगिता की गई।

जिले में 4 जुलाई तक 223 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 1 जून से 04 जुलाई 2026 तक कुल 223 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 206 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है। जिले में 01 जून से 04 जुलाई तक 285 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए । कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 04 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 40 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

अचानक शुरू हुई प्रसव पीड़ा

कटनी में रूकी ट्रेन

जबलपुर, नवभारत। पाटलिपुत्र से मुंबई जा रही सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में यात्रा कर रही महिला को बीती रात अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई, जिसके बाद ट्रेन के भीतर महिला की डिलीवरी हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही जबलपुर रेल मंडल के कटनी रेलवे प्रशासन ने संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई का परिचय दिया। जैसे ही महिला के प्रसव की खबर रेलवे कंट्रोल को मिली, तत्काल डिप्टी एस एस कमर्शियल मुकेश मिश्रा को अवगत कराया गया। सूचना मिलते ही उन्होंने रेलवे चिकित्सक, आरपीएफ, जीआरपी तथा संबंधित रेलवे कर्मचारियों को अलर्ट कर मौके पर बुला लिया। जिस एक्सप्रेस ट्रेन में यह घटना हुई, उसका कटनी रेलवे स्टेशन पर स्टॉपेज नहीं था लेकिन महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाई और आपात स्थिति में ट्रेन को कटनी जंक्शन पर रुकवाया।

सुरक्षित नीचे उतारा गया- ट्रेन के प्लेटफार्म पर आते ही डिप्टी एस एस कमर्शियल मुकेश मिश्रा, सफाई मित्रों और अपनी पूरी रेलवे टीम के साथ सीधे संबंधित जनरल कोच तक पहुंचे। रेलवे ने महिला और उनके परिजनों को सुरक्षित ट्रेन से नीचे उतारा। मौके पर मौजूद रेलवे डॉक्टर ने मां और नवजात शिशु का स्वास्थ्य परीक्षण किया, इसके बाद नवजात को मृत घोषित कर दिया। महिला की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें तत्काल 108 एम्बुलेंस की मदद से आगे के इलाज के लिए जिला सरकारी अस्पताल भेजा गया।

मानसून में भी थमने नहीं देगा बाघों का रोमांच

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में लगा ताला

चिल्हारी नवभारत 4 जुलाई। वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए बड़ी खबर है। जून का महीना खत्म होते ही विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में सैलानियों की आवाजाही पर पूरी तरह ब्रेक लगने जा रहा है।

मानसून के चलते 1 जुलाई से 30 सितंबर तक जंगल के मुख्य प्रवेश द्वार सैलानियों के लिए पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं, लेकिन बाघों के दीदार का शौक रखने वाले शौकीनों को मायूस होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। कोर एरिया बंद होने के बावजूद इस बार मानसून सीजन में बांधवगढ़ के बफर जोन में रोमांच का हाई-वोल्टेज तड़का लगने वाला है।

वन्यजीवों को एकांत में रहने के लिए यह निर्णय लिया गया - बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने स्पष्ट कर दिया है कि वन्यजीवों के प्रजनन काल और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 1 जुलाई से आगामी तीन महीनों के लिए कोर पर्यटन क्षेत्रों में सफारी को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। भारी बारिश के चलते कच्चे रास्तों की स्थिति और वन्यजीवों को एकांत देने के लिए यह फैसला लिया गया।

हर बफर में दिखेगा बाघों का स्वैग- अगर आप सोच रहे हैं कि कोर एरिया बंद होने से बाघों का दीदार नहीं होगा, तो आप गलत हैं। बांधवगढ़ में बाघों की आबादी इस कदर बढ़ चुकी है कि अब बफर जोन भी बाघों का पक्का ठिकाना बन चुका है। उमरिया से लेकर शहडोल और अनूपपुर के सामान्य जंगलों तक में बाघों की दहाड़ गूंज रही है। कई खूंखार और नामी बाघों ने बफर एरिया में ही अपनी सल्तनत (टेरिटरी) कायम कर ली है। इसलिए, बारिश के मौसम में भी यहां बाघों का दिखना लगभग तय माना जाता है।

आकाशीय बिजली गिरने से बैल की मौत

शहपुरा नवभारत 4 जुलाई। शहपुरा विकासखंड के ग्राम भिलाई माल में रविवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से एक बैल की मौत हो गई। हादसे में किसान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम करीब 5 बजे क्षेत्र में हल्की बारिश के दौरान अचानक तेज गर्जना और चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरी। किसान खेत में जुताई का कार्य पूरा करने के बाद अपने बैलों को चरने के लिए खेत में छोड़कर घर चला गया था। इसी दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक बैल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना पशु चिकित्सा विभाग को दी गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित किसान को नियमानुसार आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की मांग की है। बरसात के मौसम में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, खेतों तथा पेड़ों के नीचे जाने से बचने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है।

मानसून की झमाझम बारिश का है इंतजार

उमस भरी गर्मी से लोग हो रहे परेशान

चिल्हारी नवभारत 4 जुलाई। जुलाई का पहला सप्ताह बीतने को है, लेकिन जिले मे अब तक मानसून अपने पूरे रंग में नजर नहीं आया है। रुक-रुककर हो रही बारिश के बावजूद इस माह जिस तरह की झमाझम वर्षा की उम्मीद रहती है, वैसी स्थिति नहीं बन सकी है।

इसका असर केवल जलस्रोतों तक सीमित नहीं है, बल्कि कृषि, पेयजल व्यवस्था, तापमान और जनस्वास्थ्य पर भी दिखाई देने लगा है। राजस्व विभाग के आंकड़ों के अनुसार 3 जुलाई 2026 तक जिले में औसतन 112.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक 212.3 मिलीमीटर बारिश हो चुकी थी। यानी इस वर्ष अब तक लगभग 100 मिलीमीटर कम वर्षा हुई है।

मानपुर क्षेत्र सबसे सूखा

जिले के वर्षा आंकड़ों पर नजर डालें तो करकेली तहसील सबसे आगे है, जहां 147.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। इसके बाद बांधवगढ़ मे 135.6 मिलीमीटर, पाली मे 134.4 मिलीमीटर, नौरोजाबाद मे 130.2 मिलीमीटर, बिलासपुर मे 95 मिलीमीटर तथा चंदिया मे 82.5 मिलीमीटर वर्षा हुई है। वहीं सामान्यतः सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों मे शामिल मानपुर इस बार सबसे पीछे है, जहां अब तक केवल 65.4 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है।

खेती पर असर, बुआई प्रभावित

बारिश की कमी के कारण जिले के अधिकांश तालाब, बांध और जलाशय अभी खाली पडे हैं। इससे आने वाले महीनों में पेयजल उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। ग्रामीण क्षेत्रों मे जलस्तर अपेक्षित गति से नहीं बढ़ रहा है, जिससे हैंडपंप और कुओं पर दबाव बरकरार है। कम वर्षा का सबसे अधिक असर खरीफ सीजन की खेती पर पड़ रहा है। खेतों मे पर्याप्त नमी नहीं होने से धान सहित अन्य फसलों की बुआई प्रभावित हो रही है।

बाढ़ प्रभावित बारिश मे टूटे पुलिया और बाधित मार्ग सहित अन्य जगह किया दौरा

विधायक भगत कर रहे बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में हो रही लगातार बारिश की वजह से कई नदी नाले उफान पर है जिसके चलते बालाघाट जनपद पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत बड़ा जागपुर से अगरवाडा मार्ग पर स्थित पुलिया 2 जुलाई को फूटने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है... जिसको देखते हुए शनिवार को परसवाडा क्षेत्र के विधायक मधु भगत बड़ा जागपुर मौके पर पहुंचे जहां फूटे पुलिया का जायजा लेकर यहां ग्रामीणों को पुलिया निर्माण से पहले वैकल्पिक व्यवस्था करने का भरोसा दिए यहां नायब तहसीलदार छबि पंत,प्रधानमंत्री मन्त्री सड़क निर्माण से माया परते,सरपंच और ग्रामीण जन मौजूद रहे ।

लगातार बारिश से बाढ़ के हालात के बाद परसवाड़ा विधायक मधु भगत लगातार क्षेत्र के प्रभावित इलाकों मे जाकर हालातो का जायजा लेकर ग्रामीणों को कैसे राहत दिया जाये इसके लिए प्रयास कर रहे है भरी बारिश और विपरीत हालातो मे लामता प्रतापपुर मे आग जनी की घटना का निरिक्षण करने के बाद शनिवार को विधायक मधु भगत ने अधिकारियो के साथ बारिश मे टूटे बड़ा जागपुर से अगरवाडा मार्ग पर स्थित पुलिया निर्माण से पहले वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश दिए ताकि खेती कार्य मे ग्रामीण, स्कूली छात्रों और ग्रामीणों को समस्याओ का सामना न करना पड़े विधायक भगत के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है इसके आलावा मंझारा से टवेझरी, जरेरा सहित अन्य प्रभावित गांव का दौरा कर ग्रामीणों की परेशानी सुनकर उनकी समस्याओ का निराकरण का आश्वासन दिए है.. अपनी समस्याओ के बीच विधायक भगत को देखकर और समस्याओ के निराकरण के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है ।

जल-जंगल-जमीन हमारी, कानून भी हमारा ही चलेगा

कटंगी क्षेत्र में चल रहा मुक़दम राज, खुलेआम बन रही महुआ शराब

नवभारत कटंगी, 4 जुलाई। 'जल जंगल जमीन हमारी है 'के नाम पर कटंगी क्षेत्र में एक नया 'मुक़दम राज' पैर पसार रहा है। पहले ट्रैक्टर-ट्रॉली से मिट्टी ले जाने वालों से 10 हजार रुपये की वसूली, और अब 'हमारा गांव हमारा फैसला' की तर्ज पर अवैध महुआ शराब निर्माण और विक्रय को खुला अधिकार घोषित किया जा रहा है।

नियम-कानून को दरकिनार कर स्वघोषित मुक़दम अब सीधे प्रशासकीय कार्यों में हस्तक्षेप कर रहे हैं और आबकारी विभाग व पुलिस की निष्क्रियता से इनके हौसले और बढ़ गए हैं।

पहले मिट्टी, अब शराब वसूली का नया मॉडल

गत दिनों कटंगी पुलिस ने सिकायत पर एक प्रकरण दर्ज किया था। आरोप था कि कुछ लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली से मिट्टी ले जा रहे चालक को रोककर कहा कि जल जंगल जमीन हमारी है और जुर्माने के नाम पर 10 हजार रुपये वसूल लिए। पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किया था, लेकिन उस कार्रवाई का कोई असर नहीं हुआ।

अवैध शराब बनाना हमारा अधिकार

सूत्रों के अनुसार अब ये लोग कह रहे हैं कि हमारे गांव में क्या होगा, ये हम तय करेंगे। अवैध शराब बनाना हमारा अधिकार है। इसी तर्ज पर वरुड, भजियापार, चिलचिरा, टेकाडी, ढीमरु रीड, जमुनिया, बनेरा, कामटी, कालीमाटी, बोथवा* सहित क्षेत्र के दर्जनों गांवों में महुआ शराब का निर्माण और व्यापार भारी पैमाने पर हो रहा है।